जिनभाषित २०७ १० (फोल्डर नं. ०२४३२१)

सम्पादक – प्रो. रतनचन्द्र जैन

मुख्य टाइटल

अनुक्रमणिका

सम्पादकीय : कुन्दकुन्द-कहान ----------२
जल : एक अनुचिन्तन : मुनि श्री चन्द्रसागर जी ---------- ४
सम्यग्दर्शन दुर्लभ है, सम्यग्दृष्टि नहीं : मुनि श्री प्रणम्यसागर जी ---------- ६
जैन और हिन्दू : डो० ज्योतिप्रसाद जी जैन ---------- १०
भारत के मुस्लिम स्मारकों पर जैन स्थापत्यकला का प्रभाव : डो० डब्ल्यू.एच.सिद्दीकी ---------- १६
बलिहारी गुरु आपकी मारग दियो बताय – डॉ. ज्योति न ---------- २०
उत्तम ब्रह्मचर्य : प्रो० (डो०) विमला जैन ----------२१
प्रज्ञापुरुष मनोहारी, स्नेह वत्सल व्यक्तित्व प्रो० प्रफुल्ल कुमार मोदी : अरुण जैन ---------- २४
अहिंसादिवस भारत का राष्ट्रीय पर्व : डो० कपूरचन्द्र जैन ---------- २६
जिज्ञासा-समाधान : पं.रतनलाल बैनाडा ---------- २८

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org